शनिवार
26 फरवरी 2022

पृष्ठ 4
हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए है बेहद लाभदायक

पृष्ठ 5
शाहिद कपूर की जर्सी 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 33
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
– रहीम

मातृशक्ति कर सकती है भाजपा का बेड़ा पार?

●मोदी के काम और नाम का जादू बरकरार
●भाजपा रच सकती है दोबारा सत्ता में आने का इतिहास

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में इस बार महिला मतदाता भाजपा का बेड़ा पार कर सकती है। यह बात पीएम मोदी की जनसभाओं में महिलाओं के समर्थन और भीड़ को देखकर लंबे समय से चर्चाओं में हैं।

इस बाबत जब भाजपा के नेताओं से बात की गई कि वह फिर सत्ता में फिर लौटने का जो दावा कर रहे हैं उसका आधार क्या है? तो अधिकांश नेताओं ने यही कहा कि भाजपा की जीत के लिए मोदी का काम और नाम ही काफी है। यानी कि केंद्र सरकार की योजनाएं और पीएम का चुनाव प्रचार इसके सत्य को अगर टटोलकर देखा जाए तो इसमें काफी हद तक सच्चाई भी नजर आती है। इसकी तह तक जाने के लिए राज्य भ्रमण के दौरान जब प्रदेश के मतदाताओं का मन टटोलने का प्रयास किया गया तो प्रदेश की महिला मतदाताओं से यही सुनने को मिला कि मोदी सरकार ने जो काम किए हैं वह काम अब तक किसी ने भी नहीं किये और उनसे जब कामों के बारे में बात की गई तो उन्होंने हर घर नल से लेकर शौचालय, गैस कनेक्शन और मुफ्त राशन से लेकर छात्राओं को दिए जाने वाले अनुदान, विधवा पेंशन तक अनेक बातों का जिक्र किया। इन महिलाओं को भले ही कुछ योजनाओं के बारे में यह जानकारी तक नहीं थी कि वह केंद्र सरकार की है या राज्य सरकार की और वह सभी को मोदी की योजना ही कहती है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जो 70 में से 57 सीटें जीतने और 54 फीसदी से अधिक मत पाने का जो रिकॉर्ड बनाया था उसके पीछे मोदी ही सबसे अहम फैक्टर थे। भले ही वर्तमान चुनाव में मोदी मैजिक के न चलने की बात कही जा रही थी लेकिन मोदी के काम और नाम को लेकर उत्तराखंड की महिला मतदाताओं में अभी भी खास प्रभाव है। कई महिलाओं ने बातचीत में यहां तक कह दिया कि महिलाओं ने तो मोदी को ही वोट दिया है और मोदी ही जीतेंगे। राज्य में 82 लाख मतदाता हैं जिसमें से 39 लाख महिला मतदाता है। इस बार वोट का प्रतिशत 65 फीसदी से अधिक रहा है ऐसी स्थिति में अगर सिर्फ महिला वोटरों की संख्या की बात की जाए तो वह 20 लाख से अधिक होती है। इस 20 लाख के करीब महिलाओं में से अगर मोदी को वोट करने वाली मतदाताओं की संख्या अधिक है तो फिर भाजपा की नैया को यह महिला मतदाता जरूर पार लगा सकती है। और भाजपा लगातार दो बार सत्ता में आने का इतिहास रच सकती है। लेकिन इसका फैसला 10 मार्च को मतगणना पूरी होने पर ही पता चलेगा।

एसटीएफ व साइबर पुलिस की कार्यवाही
फिल्मों के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग में कथित प्रोड्यूसर सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ व साइबर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए फिल्मों के माध्यम से संचालित मनी लॉन्ड्रिंग करने वाले कथित प्रोड्यूसर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल फोन, सिम व अन्य सामान बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन में अमित कुमार पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी सुभाषनगर ज्वालापुर जनपद हरिद्वार हाल निवासी जनपद देहरादून के साथ अज्ञात लोगो द्वारा आंनलाईन ट्रैडिग कम्पनी जीएलसी प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी की फर्जी साइट बनाकर पीडित से फोन के माध्यम से सम्पर्क कर ऑनलाईन ट्रेडिंग में धनराशि इन्वेस्ट करने व दुगना लाभ कमाने का लालच देकर पीडित से

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ठुकराया अमेरिका का यूक्रेन छोड़ने का ऑफर!

कीव। रूस के सैनिकों का तीसरे दिन भी यूक्रेन पर हमला जारी है। रूस ने शनिवार तड़के भी यूक्रेन की राजधानी कीव पर धावा बोल दिया और शहर में कई जगह विस्फोटों की आवाज सुनाई दीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को अमेरिकी सरकार ने राजधानी कीव से निकलने को कहा था, लेकिन जेलेंस्की ने इससे इनकार कर दिया। अमेरिका के खुफिया विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि यहां युद्ध चल रहा है। मुझे गोला बारूद चाहिए, यात्रा नहीं। इस लड़ाई में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। जेलेंस्की ने कहा कि लड़ाई अभी जारी है और यह यूक्रेन का भविष्य निर्धारित करेगी। रूसी सेना की ओर से राजधानी कीव में किए गए हमलों में अपार्टमेंट की इमारत और पुलों और स्कूलों को भारी क्षति हुई है। इस बात के भी संकेत मिल रहे हैं कि रूस यूक्रेन की मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने (अपदस्थ करना) की कोशिश कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेन की मौजूदा सरकार को हटाना ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का उद्देश्य है। दुनिया के नक्शे में बदलाव करने और रूस के शीतयुद्ध कालीन प्रभाव को बहाल करने के लिए यह पुतिन का अभी तक का सबसे बड़ा कदम है।

पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 11499 नए मामले सामने आए, 255 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। ऐसे में देश में पिछले २४ घंटों में कोविड–१९ के ११,४९९ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल मामलों का आंकड़ा ४,२९,०५,८४४ हो गया है। वहीं, इस दौरान २३,५९८ ऐसे भी रहे जो कोरोना से रिकवर हुए हैं। इसके बाद कुल रिकवरी करने वाले मरीजों की संख्या ४,२२,७०,४८२ हो गई है। फिलहाल, देश में अभी भी १,२१,८८१ सक्रिय मामले मौजूद हैं।

बता दें कि पिछले २४ घंटों में देश में कोरोना वायरस संक्रमण से २५५ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद इससे मरने वाले कुल लोगों की संख्या ५ लाख १३ हजार ४८१ हो गई है। वहीं, इस दौरान दैनिक पॉजिटिविटी दर १.०१ प्रतिशत रहा, जबकि अब तक १,७७,१७,६८,३७६ का कुल वैक्सीनेशन हो चुका है। मालूम हो, शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को कोरोना वायरस के १६६७ मामले कम आए हैं।

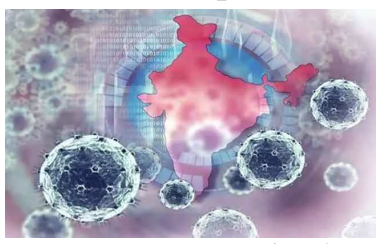

कल कोविड–१९ के १३,१६६ नए मामले सामने आए थे। यही नहीं, इस दौरान २६,९८८ लोग कोरोना से ठीक हुए थे, जिसके बाद इससे रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या ४,२२,४६,८८४ हो गई थी। इसके अलावा शुक्रवार को कोरोना संक्रमण से ३०२ लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में मरने वालों की संख्या ५ लाख १३ हजार २२६ हो गई थी। कल दैनिक पॉजिटिविटी दर १.२८ प्रतिशत दर्ज किया गया था।

देश में पिछले २४ घंटे में संक्रमण से मौत के २५५ मामले सामने आए। इनमें से केरल में १७७ मरीजों की मौत हुई जबकि कर्नाटक में १५ लोगों की महामारी से जान गयी। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड–१९ से अभी तक कुल ५,१३,४८१ लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के १,४३,६८७, केरल के ६४,६८०, कर्नाटक के ३९,६००, तमिलनाडु के ३८,०००, दिल्ली के २६,११७, उत्तर प्रदेश के २३,४४७ और पश्चिम बंगाल के २१,१९६ लोग थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से ७० प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं।

दून वैली मेल

संपादकीय

मतदान के बाद भी घोषणाओं की झड़ी

उत्तराखंड में भले ही बहुत पहले मतदान हो चुका हो, लेकिन अभी दावों व वायदों की झड़ी लगाने में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच होड़ मची हुई है। इसके पीछे के कारण भले ही भविष्य के स्वयंभू मुख्यमंत्री जानते होंगे लेकिन चुनाव के नतीजों पर अब इन घोषणाओं का कोई भी प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। मतदान से पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में सिविल ड्रेस कोड कानून लाने की बात कही गई थी। उन्हें जब लोगों ने याद दिलाया कि यह राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर है तो उन्होंने कहा कि हम अपनी सरकार बनने पर इसका प्रस्ताव विधानसभा से पारित कराकर केंद्र सरकार को भेजेंगे। बाद में मुख्यमंत्री धामी की इस घोषणा पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने जो मुद्दा उठाया है वह महत्वपूर्ण है तथा इस पर केंद्र सरकार विचार करेगी। अब मुख्यमंत्री धामी द्वारा पुलिस कर्मियों के ग्रेड पे पर भी बड़ा ऐलान किया है गया है। उनका कहना है कि भाजपा की प्रदेश में सरकार बनने के एक महीने के अंदर पुलिस ग्रेड पे पर फैसला लिया जाएगा। इस बाबत जब उनसे पूछा गया कि जब चुनाव आचार संहिता लागू होने से दो माह पूर्व आपने पुलिस की रैतिक परेड के दौरान ग्रैंड पे लागू करने की घोषणा कर दी थी तो फिर उसे क्यों पूरा नहीं किया गया? तो इसका जवाब था काम की अधिकता, जिसके कारण नहीं हो सका। ठीक वैसे ही मुख्यमंत्री धामी ने राज्य में सशक्त भू कानून को भी लेकर यह घोषणा की है कि सरकार बनते ही राज्य हित में सशक्त भू-कानून लाया जाएगा। अब वह राज्य में एक ऐसी व्यवस्था विकसित करने की बात कह रहे हैं जिससे विदेश में पढ़ने या जाने वालों का डाटा भी संकलित किया जा सकेगा। यह बात उन्होंने यूक्रेन में फंसे राज्य के छात्रों के संदर्भ में कही। यही नहीं अन्य तमाम मसले ऐसे हैं जिसके बारे में मुख्यमंत्री धामी ही नहीं पूर्व सीएम हरीश रावत भी झड़ी लगाए हुए हैं। हरीश रावत तो मुंडन संस्कार करने वालों को पेंशन व अनुदान देने की घोषणा कर रहे हैं उनकी इन घोषणाओं को लेकर कई लोग उनका मजाक भी बना रहे हैं। लेकिन घोषणाओं का सिलसिला अभी भी अविराम जारी है और संभवत यह चुनाव परिणाम आने तक यूं ही जारी रहेगा। जब इन नेताओं से इनके पूर्व वायदों की घोषणाओं पर सवाल पूछा गया तो उनके पास इसका कोई जवाब नहीं होता है। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात कही थी तथा भाजपा के घोषणा पत्र में 100 दिन में राज्य में लोकायुक्त गठन का वायदा किया गया था लेकिन उसे पूरे 5 साल तक पूरा नहीं किया गया। राज्य में मलिन बस्तियों के मालिकाना हक का वायदा हर बार चुनाव में किया जाता है लेकिन इसे आज तक लंबित रखा हुआ है। ठीक वैसे ही स्थाई राजधानी का मुद्दा है जिसे दो दशक में भी नहीं सुलझाया जा सका है। हमारे देश में एक ऐसी व्यवस्था भी होना जरूरी है कि चुनावी दौर में नेता जो कहे उसे करने की बाध्यता भी हो। भले ही नेताओं की यह सोच रही होगी कि वह जनता से कुछ भी कह दे जनता उनका भरोसा कर ही लेगी लेकिन ऐसा है नहीं। नेताओं को चुनाव नतीजों से भी इसका एहसास जरूर हो जाएगा।

फिल्मों के माध्यम से मनी लॉन्डरिंग में कथित प्रॉडूसर...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

15,00,000 रुपये (पन्द्रह लाख रुपये) की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैक खातो में प्राप्त करने सम्बन्धी शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन मुकदमा दर्ज कर लिया।

मामले में आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु घटित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, तथा आरोपियों द्वारा पीडित से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रकाश में आया कि ठगों द्वारा अपने विदेशी साथी कम्बडिया व हागंकाग निवासी के साथ मिलकर फर्जी वैबसाईट बनाकर वादी मुकदमा को सोना , मसाले व शराब की ऑनलाईन कारोबार का झांसा देकर धोखाधडी की गयी। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से जांच में पहली बार उत्तराखण्ड़ राज्य में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के माध्यम से मनी लॉडरिंग का राष्ट्रीय स्तर के तथ्य उजागर किये है। इसी आधार पर दो संदिग्ध लोगों को कल रात भोपाल से एस०टी०एफ० की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से लगभग दो दर्जन बैंक एटीएम कार्ड प्राप्त हुए जिनमें अनुमानित लगभग 15 लाख की धनराशि को फ्रीज किया गया तथा एक लग्जरी गाड़ी (अनुमानित कीमत २१ लाख रुपये) को भी मुकदमें में जब्त किया गया। पूछताछ पर महत्वपूर्ण जानकारिया प्राप्त हुयी कि ठगों द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर दर्जनों फर्जी बैंक खाते खुलवाये जाते थे तथा भारत से धनराशि इस एवज में भेजी जाती थी कि विदेशी फिल्मों को भारत में प्रसारित करने हेतु झूठे दस्तावेज बनाये जाते थे। भोपाल से गिरफ्तार ठग द्वारा धनराशि को आगे भारत से बाहर भेजा गया। गिरफ्तार ठग द्वारा विदेशी फिल्मों को भारत में प्रसारित करनें हेतु भारत से बाहर पैसा भेजा जाता था । इस सम्बंध में स्टेट बैंक ऑफ मॉरीसस से प्राप्त दस्तावेजो के विश्लेषण से प्रथम दृष्टया हवाला ट्रांजेक्शन/ मनीलॉडरिंग की पुष्टि हुई । गिरफ्तार संदिग्ध रचित शर्मा द्वारा दो फिल्में फरेब व एवं लाइफ इन मुम्बई प्रॉडूस की गई है। दूसरे आरोपी ने अपना नाम सुरेश यादव निवासी अवधपुरी भोपाल बताया।

आत्मबल की ताकत से हासिल लक्ष्य

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज हमारी सबसे बड़ी समस्या यह हो गई है कि हम अपने अंतर्मन की आवाज़ को अनसुना कर देते हैं। सच यह है कि हमारे जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव भी उतने ही स्वाभाविक हैं, जितना कि संसार में मौसम का बदलना, पेड़-पौधों का मुरझाना और दोबारा उन पर नयी कोपलें फूटना स्वाभाविक होता है। जो व्यक्ति इस प्रक्रिया को सहजता से स्वीकारता है, वह सुख-दुख, दोनों ही स्थितियों में संतुलित और समभाव रहता है, किन्तु कुछ लोग ऐसी मुश्किलों से बहुत जल्दी घबरा जाते हैं। उनका आत्मबल कमजोर पड़ने लगता है। विधाता ने हम सभी को विपरीत परिस्थितियों से जूझने की शक्ति समान रूप से दी है, लेकिन कुछ लोग अपने अंतर्मन की इस ताकत को पहचान नहीं पाते और ऐसे ही लोग राह में आने वाली छोटी-छोटी बाधाओं से बहुत जल्दी घबरा भी जाते हैं। अपने 'अंतर्मन की ताकत' को पहचानने वाले लोग हर हाल में शांत और संयमित रहते हैं। यह सच है कि मानव का मन बेहद चंचल है। इसकी गति बिजली से भी तेज है। तभी तो श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं–'इंद्रियां बलवान हैं, इंद्रियों से बलवान मन है और मन से भी ज्यादा शक्तिशाली है बुद्धि।'

सबसे बड़ी बात यह है कि हम जब कभी समस्याओं के जाल में घिर जाते हैं, तब बाहर से मदद लेने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन उसी समय अगर थोड़ा-सा ध्यान अपने अंतर्मन की आवाज़ को सुनने पर भी दें, तो समस्या का हल मिल सकता है।

एक बार एक व्यक्ति कुछ पैसे निकलवाने के लिए बैंक में गया। जैसे ही कैशियर ने उसे पेमेंट दी, उस कस्टमर ने चुपचाप उसे अपने बैग में रखा और बैंक से चल दिया। उसने एक लाख चालीस हज़ार रुपए निकलवाए थे। उसे पता था कि कैशियर ने ग़लती से उसे एक लाख चालीस हज़ार रुपए देने के बजाय एक लाख साठ हज़ार रुपए दे दिए हैं, लेकिन उसने यह आभास कराते हुए कि उसने तो पैसे गिने ही नहीं और उसे कैशियर की ईमानदारी पर पूरा भरोसा है, चालाकी से चुपचाप पैसे रख लिए।

इसमें उसका कोई दोष था या नहीं, यह तो पता नहीं, लेकिन पैसे बैग में रखते ही कैशियर द्वारा दिए गए २०,००० अतिरिक्त रुपयों को लेकर उसके मन में बड़ी उधेड़-बुन शुरू हो गई। एक बार उसके मन में आया कि फालतू पैसे वापस लौटा दे, लेकिन दूसरे ही पल उसने सोचा कि जब मैं ग़लती से किसी को अधिक पेमेंट कर देता हूं, तो मुझे कौन लौटाने आता है?

बार-बार उसके अंतर्मन से आवाज़ आई कि पैसे लौटा दे, लेकिन हर बार उसका दिमाग उसे कोई न कोई बहाना या कोई न कोई वजह दे देता था अधिक मिले पैसे न लौटाने की। लेकिन इंसान के अन्दर सिर्फ दिमाग ही तो नहीं होता...'दिल और अंतरात्मा' भी तो होती है? ...रह-रह कर उसके अंदर से आवाज़ आ रही थी कि तुम किसी की ग़लती से फ़ायदा उठाने से नहीं चूकते और ऊपर से ईमानदार होने का ढोंग भी करते हो?

उसकी बेचैनी बढ़ती जा रही थी। अचानक ही जाने क्या हुआ कि उसने बैग में से बीस हज़ार रुपए निकाले और जेब में डालकर बैंक की ओर चल दिया। अब उसकी बेचैनी और तनाव कुछ कम होने लगा था। वह हल्का और स्वस्थ अनुभव कर रहा था। वह कोई बीमार थोड़े ही था, लेकिन उसे लग रहा था जैसे उसे किसी बीमारी से मुक्ति मिल गई हो। उसके चेहरे पर किसी जंग को जीतने जैसी प्रसन्नता व्याप्त थी। बैंक पहुंच कर उसने कैशियर द्वारा गलती से ज्यादा दिए बीस हज़ार रुपए लौटाए तो कैशियर ने चैन की सांस ली। खुश हो कर कैशियर ने कस्टमर को अपनी जेब से हज़ार रुपए का एक नोट निकाल कर देते हुए कहा, 'भाई साहब! आपका बहुत-बहुत आभार! आज मेरी तरफ से अपने बच्चों के लिए मिठाई ले जाना। प्लीज़, मना मत करना।'

कैशियर की बात सुनकर वह कस्टमर बोला- 'भाई साहब, आभारी तो मैं हूं आपका और आज मिठाई भी मैं ही आप सबको खिलाऊंगा।' आश्चर्य में डूबे कैशियर ने पूछा 'भाई! आप किस खुशी में मिठाई खिला रहे हो?' इस पर उस कस्टमर ने जवाब दिया, 'आभार इस बात का कि आपकी गलती से ज्यादा मिले बीस हज़ार रुपयों के इस चक्कर ने मुझे आज 'आत्म-मूल्यांकन' का अवसर प्रदान किया है। यदि आपसे ये ग़लती न हुई होती, तो न तो मैं मन के द्वंद्व में फंसता और न ही उस से निकल कर अपनी 'लोभवृत्ति' पर क़ाबू पाता। यह बहुत मुश्किल काम था। घंटों के अंतर्द्वंद्व के बाद ही मैं जीत पाया। इस दुर्लभ अवसर के लिए आपका आभार।'

नि:संदेह, यह प्रकरण हमें बहुत बड़ी उस शक्ति के बारे में बता रहा है, जिसे हम बहुत बार छोटे-छोटे से लालचों में पड़कर भूल जाते हैं। वह शक्ति है हमारे ही भीतर रहने वाला 'आत्मबल', जो हमें जीवन के उच्चतर मूल्यों पर अडिग रहने की शक्ति देता है। 'आत्मबल' में असीम शक्ति होती है, जो आदमी को अमृत बना देती है। कवि कहता है –

'उठना बहुत कठिन सखे/ गिरना है आसान।
अंतर्मन की जब सुने/ मानव बने महान।'

कर्हि स्वित्तदिन्द्र यन्नृभिर्नघ्न्वीरैर्वीरान्नीळयासे जयाजीन।
त्रिधातु गा अधि जयासि गोष्विन्द्र द्युम्नं स्वर्वद्धेह्यस्मे।।

(ऋग्वेद ६-३५-२)

हे परमेश्वर ! वह समय कब आएगा जब विद्वानों के साथ विद्वान जुड़ेंगे। वीरों के साथ वीर जुड़ेंगे। सब मिलकर संग्रामों को जीतेंगे। वे लोगों के धन और सुख में वृद्धि करेंगे।

O God ! When will the time come when the scholars will join the scholars. The brave will join the brave. Together, they will win the battle. They will enhance the wealth and happiness of the people.
(Rig Veda 6-35-2)

हाशिया और आयु

राहुल सिंह

हाशिया यानी मार्जिन शब्द के सामान्य प्रचलित और शब्दश: अर्थ किनारा, कोर, छोर के साथ अन्य प्रयोग भी हैं। मार्जिन, आय का भी होता है तो किनारे कर दिया जाना या मूल संदर्भों से विलगाव हाशियाकरण है। दूसरी ओर महत्वपूर्ण टिप्पणियां भी हाशिये पर अंकित होती हैं। जिल्दसाजी में गूटर मार्जिन का ध्यान रखा जाता है। लेकिन हाशिये का समानार्थी एक शब्द, जो अब प्रचलन में नहीं रहा, 'आयु' है। हस्तलिखित ग्रंथों, पोथियों के पृष्ठ, किनारों से खराब होते थे, इसलिए लेखन के मुख्य भाग के चारों ओर, खासकर बाईं ओर, जिधर ग्रंथित करने के लिए सूत्र पिरोया जाता था, जितना चौड़ा हाशिया छोड़ा जाता था, उसकी उतनी अधिक 'आयु' का भरोसा होता था, लेकिन यह आयु इतनी भी नहीं होती थी कि लिखे मुख्य भाग पर हावी हो।

कभी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मैंने विचार रखे थे कि कला-संस्कृति-पुरातत्व को हाशिये में रहना शोभा देता है, वह बुनियादी जरूरतों के साथ अनिवार्य तो है, लेकिन मुख्य धारा में रहा तो उनके साथ बहने लगेगा, रोजी-रोटी में रह जाएगा या समाज राग-रंग में डूबने लगेगा। कइयों को शायद मेरे 'हाशिये पर रहने' कहने को 'हाशिये पर डालना' मान कर सख्त एतराज हुआ। हाशिये को उसके समानार्थी आयु शब्द के साथ देखें तो लगता है कि कला-संस्कृति के साथ पुरातत्व, समाज में घर के उस अधिक 'आयु' वाले बुजुर्ग की तरह हैं, जो सामान्यत: दरवाजे पर बैठा किसी अनिष्ट-अनपेक्षित के प्रवेश को नियंत्रित करता है, जो मुख्य धारा के लिए सुरक्षा-कुशन की तरह है, जिनका सम्मान तो हर कोई करता है मगर वह सामान्यत: उपेक्षित-सा छूटा रहता है।

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश के अनुसार, हाशिया मूल रूप से एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ है-चादर या साड़ी आदि के किनारे की गोट या बेल बूटे, किनारा, किसी पुस्तक के नीचे दी हुई टीका-टिप्पणी। कहीं इसका अर्थ उपान्त, किनारी, छोर, गोट, पल्ला मिलता है। इस संदर्भ में देखें तो कला-संस्कृति-पुरातत्व का हाशिये पर होने का अर्थ समाज की शोभा में श्रीवृद्धि करने से है और साथ ही इसका आशय मर्यादा में बांधने का भी प्रतीत होता है। पूर्णिमा वर्मन की स्त्री-विमर्श पर कविता की पंक्तियां हैं 'खास सब कुछ होता है - हाशिये पर/ हाशिये से मिलता है किताब को संवाद/ हाशिये के बिना अर्थहीन होती है किताब।' मंजुल भारद्वाज की 'हाशिया हाशिए पर न हो' शीर्षक कविता की अंतिम पंक्तियां हैं 'व्यवस्थागत क्रांति के साथ/आत्म क्रांति करनी होगी/ चिंतन, विचार, स्वराज का/आत्मोदीप जलाना होगा/ ताकि हाशिया हाशिए पर न रहे।' मगर अंतत: कामना यही कि मुख्यधारा का सौंदर्य और कवच-'हाशिया-आयु' सलामत रहे।

बर्फबारी से बदरीनाथ हाइवे फिर हुआ बाधित

चमोली (आरएनएस)। बदरीनाथ में दो दिन से लगातार हो रहे हिमपात से बदरीनाथ धाम में ५ से ६ फुट बर्फ जम गई है। बदरीनाथ धाम के निकट हनुमान चट्टी में भी भारी बर्फबारी के चलते बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग हनुमान चट्टी से ऊपर पूरी तरह से वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गया है।

भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी के परियोजना प्रबधक प्रकाश रावत ने बताया कि लगातार भारी बर्फबारी के चलते बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बैनाकुली से बदरीनाथ तक बाधित हो गया था। शुक्रवार को बैनाकुली से हनुमानचट्टी तक जेसीबी मशीनों के द्वारा सड़क से बर्फ हटाकर रास्ता खोला गया। अगर मौसम अनुकूल रहा तो अगले २ या ३ दिन में बदरीनाथ तक सड़क से बर्फ हटाकर मार्ग सुचारु किया जायेगा। बदरीनाथ में हिमपात और ५–६ फिट बर्फ जमीं होने के बाबजूद भी मंदिर की सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवान अपनी ड्यूटी पर अडिग हैं। पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने स्वयं बदरीनाथ पहुंच कर सुरक्षा में पुलिस कर्मियों की हौसला अफजाई की। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में एसपी ने कहा चुनौती पूर्ण वातावरण, भारी बर्फबारी में भी पुलिस कर्मी बदरीनाथ और हनुमान चट्टी में अपनी ड्यूटी को सराहनीय कार्य से अंजाम दे रहे हैं। हनुमान चट्टी पुलिस चौकी के आहते और बरामदे तक आयी बर्फ को वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने बेलचे और फावड़ों से हटाया। शुक्रवार को इस इलाके में कुछ समय तक मौसम खुला रहने से बेनाकुली और हनुमान चट्टी के लोगों ने कुछ राहत ली।

बिना डॉक्टर के अस्पताल में किए जा रहे थे अल्ट्रासाउंड, अल्ट्रासाउंड मशीन सील

काशीपुर (आरएनएस)। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मेन रोड स्थित स्टार हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना डॉक्टर के अस्पताल में अल्ट्रासाउंड होते मिले। टीम ने अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन सील कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

शुक्रवार को एसीएमओ डॉ. हरेंद्र मलिक की अगुवाई में जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम स्टार अस्पताल पहुंची। अचानक अधिकारियों के पहुंचने से अस्पताल में हड़कंप मच गया। टीम ने छानबीन करते हुए देखा कि अस्पताल में लगी अल्ट्रासाउंड मशीन को कोई अप्रशिक्षित व्यक्ति चला रहा था। मुख्य चिकित्सक यहां पर मौजूद नहीं था। ऐसे में टीम ने अल्ट्रासांड मशीन व कक्ष को सील कर दिया। एसीएमओ डॉ. मलिक ने बताया उनको शिकायत मिली थी कि बाजपुर के स्टार हॉस्पिटल में बिना चिकित्सक के अल्ट्रासाउंड किये जा रहे हैं। इससे मरीजों की जान को खतरा बना हुआ है। बताया कि शिकायत बिल्कुल सही पाई गई है। अस्पताल की मशीन और कक्ष को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा जो भी अस्पताल नियमों का पालन नहीं करेगा उस पर कार्रवाई की जायेगी।

दुकान का ताला तोडकर लाखों की चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से लाखों की नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी भारत तनेजा ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी टर्नर रोड में साईकिल का शोरूम है। गत रात्रि चोरों ने उसकी दुकान की छत के दरवाजे का ताला तोड अन्दर गल्ले में रखे एक लाख 53 हजार रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिजली चोरी में चार पर मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर अभियंता विद्युत उपखण्ड डाकपत्थर भूपाल सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको शिकायत मिल रही थी कि क्षेत्र में कुछ लोग बिजली की चोरी कर रहे है। जिसके बाद उसने क्षेत्र का दौरा किया तो राजेन्द्र पाल, यमुना कालोनी निवासी दिनेश डा0 रूचि बौखंडी, रघुवीर सिंह द्वारा बिना बिजली का कनेक्शन लिये कटिया डालकर बिजली का उपभोग किया जा रहा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

नई टिहरी (आरएनएस)। हंस फाउंडेशन के सतपुली अस्पताल की ओर से २७ फरवरी को राजकीय इंटर कॉलेज चमराड़ा देवी भरपूर में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र रावत जानकारी देते हुए बताया गया कि शिविर में मरीजों के आंखों की जांच के बाद उन्हें निशुल्क चश्में और दवाइयां वितरित की जाऐगी। कहा जिन लोगों की आंखों में मोतिया बिंद पाया जाएगा, उनका फाउंडेशन के सतपुली अस्पताल में निशुल्क ऑपरेशन किया जाऐगा। शिविर का आयोजन सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक होगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से शिविर में लाभ उठाने की अपील की है।

वोटरों की खामोशी ने बढ़ायी राजनीतिक दलों की चिंता

संवाददाता

देहरादून। मतदान के बाद सभी अपनी-अपनी जीत के दावे तो कर रहे हैं लेकिन अन्दर ही अन्दर सब डरे हुए हैं कि इस बार ऊंट किस करवट बैठेगा इसका अंदाजा किसी को नहीं है।

उत्तराखण्ड चुनाव में सभी दलों ने अपनी शक्ति झोंक दी थी। मतदाताओं को रिझाने के लिए सभी दलों ने बडे-बडे वायदे किये थे। सभी ने मतदाताओं के मन को टटोलने के लिए हर सम्भव प्रयास किये थे। किसी ने महंगाई का मुद्दा उठाकर मतदाताओं को यकीन दिलाया कि उनकी सरकार आयेगी तो महंगाई पर लगाम लगा दी जायेगी तो किसी ने बिजली-पानी का मुद्दा उठाया तो कोई गैस की कीमत कम करने का दावा कर रहा था। इन सभी के बाद मतदान का समय आया तो मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने घर चला गया लेकिन बोला कुछ नहीं। पार्टियों के कार्यकर्ता व पदाधिकारी तो जोर-शोर से प्रचार कर रहे थे कि उसने अपनी पार्टी का वोट दिया और उनका बोलना बनता भी था लेकिन आम मतदाता खामोश दिखायी दिया। जिस किसी से भी पूछा गया तो वह मात्र मुस्करा कर अपना जवाब दे देता। कई तो ऐसे भी थे जो किसी को नाराज नहीं करना चाहते थे तो उन्होंने कांग्रेस वाले के सामने हाथ को वोट दिया तो भाजपा वाले को कमल को वोट दिया कहकर खुश करते दिखायी दिये। इस बात को आम कार्यकर्ता चाहे नहीं समझ रहा था लेकिन राजनीति के दिग्गज इस बात को अच्छी तरह से समझ गये कि इस बार मतदाता बिल्कुल खामोश है उसने पोलिंग बूथ के अन्दर क्या किया है वह किसी को बताने को तैयार नहीं है। यही बात सभी राजनैतिक दलों को अन्दर ही अन्दर खाये जा रही है कि दस मार्च को क्या होगा। क्यों हर बार की तरह इस बार मतदाता को वह पढ नहीं पा रहे हैं। इस बार मतदाता क्या चाह रहा है यह बात उनको झकझोर रही है। इसी लिए सभी दल अपनी-अपनी जीत का दावा तो कर रहे हैं लेकिन अन्दर ही अन्दर वह बहुत डरे हुए हैं कि इस बार वोटरों ने क्या मन बनाया जिसका उनको पता नहीं चल पा रहा है। जिससे इस बात का तो अन्दाजा लगाया ही जा सकता है कि इस बार के परिणाम चौकाने वाले होंगे। क्योंकि इस बार युवा वर्ग ने बढचढ के मताधिकार का प्रयोग किया है और युवा वर्ग शिक्षित है तथा उसको पता है कि उसको क्या करना है। उसको झूठे वायदों से बहलाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा। इसके साथ महिला मतदाता भी काफी संख्या में अपने घरों से निकला है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि जो महिला लाईन में लगने को तैयार नहीं होती थी लेकिन इस बार वह भी घंटो लाईन में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने आयी और वह मतदान करके ही वापस लौटी। जब यह दो वर्ग मतदान करने के लिए सक्रिय हो गये तो यह अंदाजा लगाना काफी मुश्किल हो गया है कि इनके मन में क्या है तथा वह कैसी सरकार चाहते है? इन सभी का गुणा भाग लगाने के बाद राजनीति के पण्डितों को भी अंदाजा नहीं हो रहा है कि इस बार ऊंट किस करवट बैठेगा।

श्रीनगर में पटरी से उतरी सफाई व्यवस्था

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर में विगत १० दिनों से पसरा कूड़ा शुक्रवार को भी नहीं उठ पाया। साथ ही वेतन की मांग को लेकर कार्यबहिष्कार पर उतरे कर्मियों की समस्या का समाधान न होने पर सफाई व्यवस्था और भी बदहाल हो गई है। जिससे स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम व नगर पालिका से उपजे विवाद का खामियाजा लोगों को झेलना पड़ रहा है। गुरुवार को इस मामले में शासन की ओर से डीएम को नगर आयुक्त के माध्यम से कार्यबहिष्कार पर उतरे कर्मियों का वेतन निर्गत कराए जाने के आदेश दिए गए थे। शुक्रवार को डीएम के आदेश के बाद एसडीएम/नगर आयुक्त की ओर से डीएम को लेखाकार की नियुक्ति के संदर्भ में पत्र भेजा गया। शाम पांच बजे तक भी इस मामले में कोई सकारात्मक कार्यवाही न होने से कर्मी पूरे दिन वेतन निर्गत करने को लेकर इंतजार करते रहे।

अवैध खनन पर कसा शिकंजा, तीन वाहन सीज

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। अवैध खनन परिवहन मामलों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने तीन वाहनों को खनन सामग्री सहित सीज कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार आज तड़के थाना थल पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान थल-नाचनी रोड पर ग्यूरा बैण्ड के समीप तीन पिकअप वाहन आते हुए दिखायी दिय।

पुलिस ने जब उन्हे रोककर चैक किया तो उनमे सवार वाहन चालक कमल चन्द पुत्र हरीश चन्द, होशियार सिंह पुत्र पुष्कर सिंह व भगवान सिंह खोलिया पुत्र इन्द्र सिंह निवासी डीडीहाट पिथौरागढ़ मिले। जिनसे वाहन में परिवहन कर ले जाये जा रहे रेता से सम्बन्धित कागजात मांगे तो पता चला कि वह बिना रमन्ने के अवैध रुप से रेता परिवहन कर ले जा रहे थे। जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीनो वाहनों को सीज कर दिया है।

पुलिस उपाधीक्षक ने किया थाना कौसानी का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर द्वारा आज थाना कौसानी का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके द्वारा थाना कार्यालय, भोजनालय, बैरिक आदि के साथ ही कार्यालयी अभिलेखों, आपदा उपकरणों व मालखाने में मौजूद अस्लाहों का भी मुआयना किया गया।

क्षेत्रधिकारी द्वारा निरिक्षण के दौरान बैरिक, भोजनालय की साफ-सफाई संतोषजनक पायी गई। आपदा उपकरणों को व्यवस्थित तरीके से रखे जाने आदि के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात उनके द्वारा थाना कोसानी में मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर उनकी पारिवारिक, विभागीय समस्याओं के बारे में जानकारी की गई तथा उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही उनके द्वारा वर्तमान समय में हो रहे साइबर अपराध के कारणों एवं इनसे बचाव के सम्बंध में जानकारी देते हुए कोरोना संक्रमण के नए वैरियंट ओमिक्रोन से बचाव हेतु पुलिस कार्मियों को स्वयं भी बचाव कर कोविड गाइड लाइन का पालन करने हेतु आमजनमानस को जागरुक करने हेतु बताया गया। साथ ही क्षेत्रधिकारी द्वारा नशे का सेवन न करने, साफ सुथरी वर्दी धारण करने, ईमानदारी व निष्ठा से अपने कर्तव्य का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष कौसानी जीवन सिंह चुफाल व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी रीमेक में दिख सकती हैं सान्या मल्होत्रा

बॉलीवुड में साउथ की कई फिल्मों के रीमेक बनते रहे हैं और अब इस लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है। हिट मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन का हिंदी रीमेक बन रहा है। पिछले दिनों खबर थी कि एक्टर हरमन बावेजा ने इस फिल्म के राइट्स खरीद लिए हैं। फिल्म के लिए कलाकारों की तलाश चल रही थी। अब चर्चा है कि इसमें अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा का नाम फाइनल हो गया है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया कि द ग्रेट इंडियन किचन के लिए कई कलाकारों से बात की जा चुकी है और आखिर में निर्माताओं ने सान्या मल्होत्रा से हाथ मिलाने का फैसला किया है। उनसे बातचीत जारी है। सान्या भी ओरिजनल फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की बड़ी प्रशंसक हैं। ऐसे में उन्होंने इसके हिंदी रीमेक में दिलचस्पी दिखाई है। अगर सबकुछ सही रहा तो वह इसमें अभिनेत्री निमिषा द्वारा निभाया गया किरदार निभाती दिख सकती हैं।

उत्तर भारत के दर्शकों को ध्यान में रखते हुए इस फिल्म की कहानी में थोड़ी तब्दीलियां की जा रही हैं। द ग्रेट इंडियन किचन का निर्देशन जीयो बेबी ने किया था। उन्होंने कहा था, रसोईघर में एक महिला का संघर्ष भारत की लगभग सभी महिलाओं की कहानी है। यह फिल्म बनाने की प्रेरणा उन्हें अपने रसोईघर से मिली। कई निर्माता फिल्म के हिंदी रीमेक के राइट्स लेने की रेस में शामिल थे, लेकिन अंत में हरमन बावेजा ने बाजी मारी।

हरमन ने फिल्म लव स्टोरी 2050 से बॉलीवुड में एंट्री की थी। फिर उन्होंने विक्ट्री और व्हाट्स योर राशि जैसी कुछ फिल्में कीं, लेकिन वह दर्शकों के बीच अपना जादू नहीं चला पाए। फिलहाल हरमन एक्टिंग छोड़ निर्माता के तौर पर काम कर रहे हैं।

द ग्रेट इंडियन किचन के हिंदी रीमेक का निर्देशन आरती कदव करेंगी। हिंदी रीमेक का नाम भी द ग्रेट इंडियन किचन ही बताया जा रहा है। इस फिल्म में भारतीय परिवार के अंदर मौजूद पितृसत्तात्मकता को दिखाया गया है और उससे प्रभावित होती रोजमर्रा की जिंदगी पर रोशनी डाली गई है। इसकी कहानी एक ऐसी महिला के आसपास घूमती दिखाई देगी, जो अपने पति की जिम्मेदारियों के साथ-साथ ससुरालवालों की उम्मीदों पर भी खरा उतरने की कोशिश करती है।

सान्या लगातार अच्छे कंटेंट वालीं फिल्में साइन कर रही हैं। दर्शकों ने कोरोनाकाल में उन्हें शकुंतला देवी, मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट जैसी फिल्मों में देखा है। जल्द ही वह बॉबी देओल और विक्रांत मैसी के साथ फिल्म लव हॉस्टल में दिखाई देंगी, जो जी5 पर रिलीज होगी। सान्या साउथ के जाने-माने निर्देशक अटली की एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा फिल्म हिट भी उनके खाते से जुड़ी है। इसमें उनके साथ अभिनेता राजकुमार राव नजर आएंगे।

अशनूर कौर, अनुज सैनी, पारस कलनावत का गाना यार की महफिल हुआ रिलीज

मनोरंजन उद्योग के लोकप्रिय चेहरे अशनूर कौर, अनुज सैनी और पारस कलानावत का नया गाना यार की महफिल रिलीज हुआ है। इस गाने को स्टेबिन बेन ने गाया है। तीनों कलाकार ने म्यूजिक वीडियो में काम करने का अपना अनुभव साझा किया।

अभिनेत्री अशनूर ने कहा, यार की महफिल के कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। मैं अपने प्रशंसकों से प्रतिक्रियाएं सुनकर वास्तव में खुश हूं। ये मेरा इस साल 2022 का पहला प्रोजेक्ट हैं। मुझे खुशी है कि लोगों ने हमारे गाने को पसंद किया है, जिसका मतलब है कि हमारी मेहनत रंग लाई है।

अनुज सैनी ने कहा, ये संगीत वीडियो पूरी टीम की एक शानदार कोशिश है। मैंने और अशनूर ने इसपर बहुत मेहनत की और जो हमसे उम्मीद की गई थी हमने वैसा करने की पूरी कोशिश की है। हमारी जोड़ी को बहुत पसंद किया जा रहा है।

दूसरी ओर, अनुपमा के अभिनेता पारस कलनावत ने संगीत वीडियो देखने के बाद दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की है।

उन्होंने आगे कहा, मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और इस बार मैं एक अलग किरदार निभा रहा हूं। पूरे गाने पर हमने बहुत मेहनत की है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को गाना पसंद आएगा।

इस संगीत वीडियो का निर्देशन फिरोज ए खान ने किया है। गुनबीर सिंह सिद्धू और मनमोर्ड सिंह सिद्धू ने इसे निर्मित किया है। संगीत कुणाल वर्मा द्वारा निर्देशित है। यार की महफिल अब व्हाइट हिल बीट के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो गया है।

००

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए है बेहद लाभदायक

जब बात पोषण की आती है तो शायद हरी पत्तेदार सब्जियों से बेहतर ही कुछ और हो सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियां फाइबर, प्रोटीन, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम और कई जरूरी विटामिन्स के साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से समृद्ध होती हैं और ये गुण रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए खासतौर से बहुत फायदेमंद होते हैं, इसलिए डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों का होना महत्वपूर्ण होता है। आइए आज हम आपको कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां और उनके फायदे बताते हैं।

पालक : पालक कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, जो शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके साथ ही कई गंभीर बीमारियों के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने, मोटापे से राहत दिलाने और कुछ तरह के कैंसर के जोखिम को कम करने में पालक सहायक साबित हो सकता है। इसके अलावा, पालक का सेवन हड्डियों और मेटाबॉलिज्म के लिए भी लाभदायक है।

पत्तागोभी : पत्तागोभी हर मौसम में मिलने वाली सब्जी है और यह हरी पत्तेदार सब्जी भी स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। पत्तागोभी विटामिन- ए, विटामिन- के और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से समृद्ध होती है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, पत्तागोभी का सेवन शरीर के आंतरिक सूजन को कम करने, रक्तचाप को नियंत्रित रखने और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है।

बथुआ : बथुआ एक ऐसी हरी पत्तेदार सब्जी है, जिसमें विटामिन-ए, कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम और कई अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। बथुए के सेवन से शरीर को रोगों से लड़ने में मदद मिलती है और इसके साथ ही इससे त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, बथुआ एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-वायरस और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में सहायक हो सकते हैं।

केल : केल में अन्य पत्तेदार सब्जियों की तुलना में अधिक मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं, इसलिए इसका सेवन शरीर से फ्री रेडिकल्स को हटाने और अलग-अलग तरह की शारीरिक सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

यहीं नहीं, केल में एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ-साथ कार्डियोप्रोटेक्टिव और हेपेटोप्रोटेक्टिव प्रभाव मौजूद होता हैं, जो हृदय और लीवर को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए केल को डाइट में जरूर शामिल करें। (आरएनएस)

ध्यान ने मुझे जमीन से जुड़े रहने में मदद की है : आशना जावेरिक

संथानम अभिनीत फिल्म 'वल्लवनुक्कु पुल्लम आयुधम' में अपने अभिनय से प्रभावित अभिनेत्री आशना जावेरी का कहना है कि ध्यान ने उन्हें जमीन से जुड़े रहने में मदद की है।

इंस्टाग्राम पर, अभिनेत्री, जो अगली बार तमिल फिल्म, 'टाइटैनिक कादलम कवुंधु पोगम' में दिखाई देगी, ने पाउलो कोएल्हो के बयान को याद किया, प्रार्थना ब्रह्मांड से बात कर रही है, ध्यान इसे सुन रहा है, ध्यान पर अपने विचार साझा करने से पहले . उसने कहा, ध्यान ने मुझे जमीनी बनाए रखने, चिंता, तनाव से निपटने, मूल रूप से मन की संतुलित स्थिति बनाए रखने में मदद की है। इस संतुलन (डी) मन की स्थिति से, मैं स्पष्टता प्राप्त करने, बनाने, प्रकट करने और बनाए रखने में सक्षम हूं। मन की एक शांत स्थिति। मैं अब फ़्लाइट या फाइट मोड से संचालन नहीं कर रहा/रही हूं.

हालांकि, दिनों या हफ्तों में, जब मैं ध्यान करने में असमर्थ होता हूं, तो मैं तुरंत अपने दृष्टिकोण, भावनाओं और मेरे विचारों को प्रभावित करने वाले अंतर को महसूस कर सकता हूं। इस विपरीतता को देखने के बाद, मैंने महसूस किया है कि दैनिक ध्यान करना एक गेम चेंजर है। आपके दिमाग और आत्मा के लिए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस शिक्षक/विधि/तकनीक का अनुसरण करते हैं, महत्वपूर्ण यह है कि आप सुसंगत हैं और जो आपके साथ प्रतिध्वनित होता है, उसके प्रति समर्पित हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -135

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

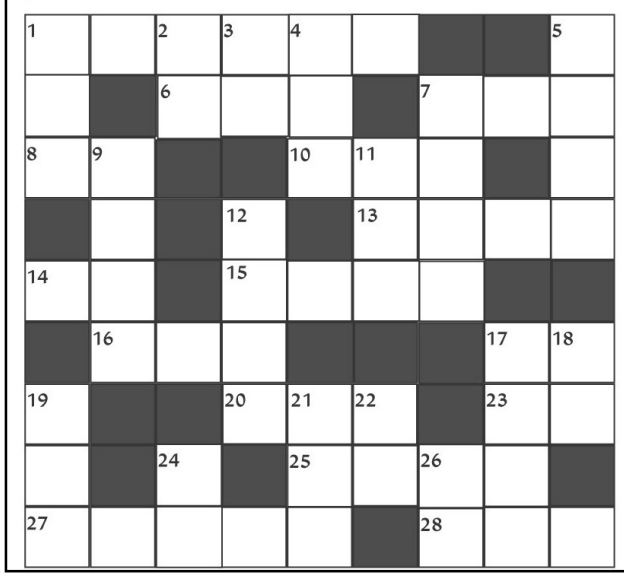

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 134 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

बोनी कपूर ने की फिल्म एके 61 की घोषणा, शेयर किया अजित कुमार का लुक

पिछले काफी समय से खबरें आ रही थीं कि साउथ के सुपरस्टार अजित कुमार जल्द ही बॉलीवुड निर्माता बोनी कपूर के साथ एक फिल्म में काम करने वाले हैं। फिल्म से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं और अब आखिरकार इसका आधिकारिक रूप से ऐलान भी हो चुका है। बोनी कपूर ने एके 61 से अजित की पहली झलक फैंस के साथ साझा करते हुए फिल्म का ऐलान किया।

निर्माता बोनी कपूर और निर्देशक एच विनोद ने आधिकारिक तौर पर अपने अगली फिल्म एके 61 की घोषणा कर दी है। तमिल सुपरस्टार अजित कुमार इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। बोनी ने अजित की एक मोनोक्रॉम तस्वीर शेयर की। इसमें उनके सफेद बाल और सफेद दाढ़ी नजर आ रही है। यह तस्वीर शेयर कर बोनी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, तैयारी शुरू हो गई है। बता दें कि मार्च में इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है।

एके 61 का शूटिंग शेड्यूल सात महीने का रखा गया है। चेन्नई में इसके लिए एक विशाल सेट बनाया गया है। सबसे ज्यादा चर्चा इस फिल्म में अजित के किरदार पर हो रही है। कहा जा रहा है कि वह इसमें नकारात्मक भूमिका निभाने वाले हैं। वैसे भी अजित नेगेटिव रोल करने में माहिर हैं। मनकथा और वाल्ले जैसी फिल्मों में वह विलेन बन दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। अब फिर अजित बैडमैन बनने की तैयारी में हैं

खास बात है कि बोनी, विनोद और अजित कुमार की ये तिकड़ी इस फिल्म के जरिए तीसरी बार साथ काम करने जा रही है। तीनों ने सबसे पहले फिल्म नारकोंडा पारवाई में साथ काम किया था। इसके बाद वे फिल्म वलीमाई के लिए साथ आए।

बोनी, विनोद और अजित की कॉप ड्रामा फिल्म वलीमाई अगले गुरुवार यानी 24 फरवरी को दर्शकों के बीच आने वाली है। फिल्म में अजित एक सख्त पुलिस अफसर बने हैं। युवान शंकर राजा ने फिल्म को संगीत दिया है और अभिनेत्री हुमा कुरैशी इस फिल्म की लीड हीरोइन हैं। एक्टर कार्तिकेय घुम्माकोंडा इसमें खलनायक बने हैं। अजित के साथ फिल्म में उनकी जबरदस्त टक्कर होने वाली है। अजित की यह फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी में भी रिलीज होगी।

अजित साउथ के ऐसे कलाकार हैं, जिनकी फिल्में रिलीज होते ही सुपरहिट साबित होती हैं। जिस तरह से साउथ में रजनीकांत, कमल हासन और रवि तेजा जैसे कलाकारों का फैन बेस है, वैसा ही स्टारडम साउथ में अजीत कुमार का भी है। अजित को अपनी फिल्मों के लिए कई बार पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। सुपरस्टार सलमान खान भी अजित कुमार के फैन हैं। अजित ने अभिनय के साथ-साथ मोटर स्पोर्ट्स और शूटिंग में भी खूब नाम कमाया है। (आरएनएस)

आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा से बाहर हुए सलमान

आमिर खान पिछले काफी समय से फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सुर्खियों में हैं। जब से इसकी घोषणा हुई है, सलमान खान का नाम इससे जुड़ता रहा है। खबर आ रही थी कि वह इसमें मेहमान भूमिका निभाने वाले हैं, लेकिन अब सलमान इससे अलग हो गए हैं। अब जो दर्शक फिल्म में सलमान की झलक देखने का इंतजार कर रहे थे, वे बेशक इस खबर से निराश हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, लाल सिंह चड्ढा कोरोना महामारी के दौरान शूट हुई है, जिस कारण आमिर ने शूटिंग के दौरान कई बार ट्राई किया कि सलमान की डेट्स मैच हो जाएं, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया है। सलमान भी लगातार अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं, जिस कारण वह लाल सिंह चड्ढा को वक्त नहीं दे पा रहे हैं। अब आखिरकार आमिर ने फैसला किया है कि वह लाल सिंह चड्ढा से सलमान का कैमियो हटा देंगे। लाल सिंह चड्ढा भारत की आजादी से लेकर अब तक का समय दर्शकों के सामने पेश करेगी। कहा जा रहा था कि इसमें सलमान की फिल्म मैंने प्यार किया और शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की झलक देखने को मिलेगी। खबर थी कि लाल सिंह चड्ढा भारतीय सिनेमा की अकेली ऐसी फिल्म होने वाली है, जिसमें तीनों खान एकसाथ दिखाई देंगे, जिस कारण फैंस काफी उत्साहित थे, लेकिन अब फैंस का दिल टूट गया है।

सलमान और आमिर ने 1994 में आई कॉमेडी फिल्म अंदाज अपना अपना में साथ काम किया था। इसमें दोनों की जोड़ी को बेहद पसंद किया गया था। फिल्म सुपर-डुपरहिट थी। हालांकि, इसके बाद सलमान और आमिर को कभी किसी फिल्म में साथ नहीं देखा गया। लाल सिंह चड्ढा पहले 14 मार्च को रिलीज होने वाली थी और अब यह 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आमिर ने आज ही यह ऐलान किया है। खबर है कि फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा नहीं हो पाया है, जिस कारण उन्होंने इसे आगे बढ़ाया है। 11 अगस्त के दिन ही अक्षय कुमार की रक्षाबंधन रिलीज होगी। ऐसे में साफ है कि अगस्त के महीने में आमिर और अक्षय के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी।

लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है। फिल्म की शूटिंग साल 2019 में शुरू हुई थी, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के चलते इसमें देरी हुई है। फिल्म का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है, जिन्होंने आमिर के प्रोडक्शन में बनी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार के साथ अपने निर्देशन की शुरुआत की। इस फिल्म की कहानी अतुल कुलकर्णी और एरिक रोथ ने साथ में लिखी है। फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर खान नजर आएंगी। (आरएनएस)

शाहिद कपूर की जर्सी 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा 14 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब यह फिल्म 14 अप्रैल के बजाय 11 अगस्त को दर्शकों की बीच आएगी। मेकर्स ने मंगलवार को इस संबंध में घोषणा की थी। लाल सिंह चड्ढा की रिलीज टलने के बाद शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी की रिलीज डेट 14 अप्रैल तय की गई है। अभिनेता शाहिद ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान किया है।

शाहिद ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारी प्यारी फिल्म जर्सी 14 अप्रैल, 2022 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आपसे सिनेमाघरों में मिलते हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना है कि लाल सिंह चड्ढा की रिलीज टलने के बाद जर्सी के मेकर्स ने खाली स्लॉट को भरा है। मेकर्स ने मौके को भुनाते हुए झटपट फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी।

कोरोना महामारी के कारण जर्सी का प्रोजेक्ट भी प्रभावित हुआ है। फिल्म पिछले साल 31 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। कोरोना की तीसरी लहर के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में थिएटर बंद थे, इसलिए फिल्म की रिलीज टल गई थी। अब जब देशभर में प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है, तो मेकर्स ने नई रिलीज डेट जारी की है। उम्मीद है कि दर्शक जल्द थिएटर में फिल्म का लुत्फ उठा पाएंगे।

जर्सी नाम से बनी सुपरहिट तेलुगु फिल्म की यह हिन्दी रीमेक है। गौतम तिन्नुरी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जिन्होंने 2019 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म बनाई थी। फिल्म में मृणाल ठाकुर दिखेंगी। फिल्म में शाहिद के साथ उनके पिता पंकज कपूर भी नजर आएंगे। फिल्म में शाहिद अर्जुन का किरदार निभाएंगे, जो अपने बेटे की इच्छा पूरी करने के लिए अपने उम्र के तीसवें पड़ाव में वापसी करने और भारत के लिए क्रिकेट खेलने का फैसला करते हैं।

आजकल फिल्मों में क्लैश होना आम बात हो गया है। जर्सी का महामुकाबला पैन इंडिया फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 से होने वाला है। यह फिल्म भी 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। साउथ अभिनेता यश फिल्म में लीड रोल में हैं। इसके अलावा इस फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन की जोड़ी भी दिखाई देगी। यह जोड़ी दो दशक बाद पर्दे पर दिखाई देगी। श्रुति हासन और प्रभास की फिल्म सालार भी 14 अप्रैल को आएगी। बता दें कि जर्सी शाहिद की पहली स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म नहीं है। इससे पहले वह क्रिकेट पर आधारित फिल्म दिल बोले हड़िप्पा में नजर आए थे। 2009 में यह फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें शाहिद अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ देखे गए थे। (आरएनएस)

बिग बॉस 15 फेम अफसाना ने साज से रचाई शादी

शो बिग बॉस 15 में पंजाबी सिंगर अफसाना खान ने अपने अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया था। भले वह ग्रैंड फिनाले में जगह नहीं बना पाई हों, लेकिन उन्होंने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। अब उनके चाहने वालों के लिए एक खुशखबरी आई है। अफसाना ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और पंजाबी गायक साज के साथ 19 फरवरी को शादी रचा ली है। उनकी शादी की तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं।

अफसाना की शादी शनिवार को चंडीगढ़ में हुई है। उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस इस कपल को अपनी शुभकामनाएं भेट कर रहे हैं। अफसाना दुल्हन के लिबाज में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक तस्वीर में अफसाना के नए-नवेले पति साज उन्हें माथे पर चूमते हुए दिखे हैं। लहंगा में अफसाना किसी परी से कम नहीं लग रही हैं। उन्होंने हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें भी शेयर की हैं। अफसाना की शादी में मेहमानों का खूब जमावड़ा लगा। उनकी शादी में राखी सावंत, हिमांशी खुराना, रश्मि देसाई, उमर रियाज, युविका चौधरी जैसे कई अन्य बिग बॉस के प्रतिभागी शामिल हुए। इसके अलावा डोनल बिष्ट, शेफाली बग्गा और अक्षरा सिंह जैसे कलाकारों ने भी उनकी शादी की शोभा बढ़ाई। अफसाना ने अपनी शादी के फंक्शन के कई वीडियो भी शेयर किए हैं। इसमें वह मस्ती के मूड में नजर आई हैं। अफसाना ने साज से पिछले साल फरवरी में सगाई की थी। हाल में जब उनकी शादी की तैयारियां जोरो पर थीं, तभी छत्तीसगढ़ की एक महिला ने साज पर कुछ गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अनु नामक महिला ने साज पर धोखे से तलाक देने का आरोप लगाया था। अनु को सोशल मीडिया के जरिए साज और अफसाना की शादी की खबरें मिली थीं। खैर अब अफसाना-साज शादी के बंधन में बंध चुके हैं। अफसाना एक लोकप्रिय पंजाबी सिंगर, एक्ट्रेस और सॉन्ग राइटर हैं। उन्होंने 2012 में सिंगिंग रियलिटी शो वॉइस ऑफ पंजाब 3 से अपने करियर की शुरुआत की थी। अफसाना अपनी शानदार स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं, इसलिए वह किसी भी शो को पूरा मसाला दे सकती हैं और अपनी कॉमेडी का तड़का भी लगा सकती हैं।

कंगना के शो लॉक अप में खेला जाएगा अत्याचारी खेल!

पिछले काफी समय से कंगना रनौत अपने पहले रियलिटी शो लॉक अप को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो के फॉर्मेट से लेकर इसके प्रतियोगियों तक आए दिन इससे जुड़े नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब शो का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसके बाद कंगना एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। ट्रेलर में कंगना शो से जुड़ीं कुछ अहम बातें बता रही हैं।

लॉक अप के दरवाजे खुल चुके हैं। इससे साफ है कि कंगना कैदियों पर हुकूमत करने को तैयार हैं। नियम तो शो में बहुत होंगे, लेकिन इन्हें बनाने वाली सिर्फ कंगना ही हैं। शो के ट्रेलर में इस जेल की मुश्किलों का पता चल रहा है। कंगना ने शुरुआत में ही कह डाला कि यह एक ऐसी जगह होगी, जहां रहना किसी बुरे सपने से कम नहीं होगा। इस अत्याचारी खेल में प्रतियोगियों की सभी सुविधाएं छीन ली जाएंगी।

शो काफी बोल्ड होने वाला है। ट्रेलर में भी हॉटनेस का तड़का लगाया गया है। शो में फिल्मी नगरी में तड़का लगाने वाले सितारे बोल्डनेस की सारी हदें पार करते दिखेंगे। साथ ही कंगना शो में शामिल होने वाले प्रतियोगियों के छिपे राज भी उन्हीं के मुंह से निकलवाती नजर आएंगी, क्योंकि गेम में बने रहने के लिए प्रतियोगियों को अपने राज से पर्दा उठाना ही पड़ेगा। इस जेल में अत्याचारी खेल का फ्लेवर 27 फरवरी से देखने को मिलेगा।

ट्रेलर से ही साफ है कि शो में काफी कुछ ऐसा होगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह बिग बॉस से भी दो कदम आगे होगा। ट्रेलर देख लगता है कि विवाद और रोमांच पैदा करने के लिए इसमें कई चीजें होने वाली हैं।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान कंगना ने कहा, यह शो बेहद बोल्ड, विवादित और दिलवस्प होने वाला है। मुझे दिल्ली में ट्रेलर रिलीज करने में खुशी हो रही है। मैं ऐसे अनोखे और शानदार कॉन्सेप्ट के साथ ओटीटी पर अपनी शुरुआत करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी बॉस लेडी एकता को हमेशा मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं और वह हमेशा ऐसी इंसान रही हैं, जिनकी मैं प्रशंसक हूं और जिनका सम्मान करती हूं।

एकता कपूर ने कहा, अन्य रियलिटी शो के उलट लॉक अप को बड़े पैमाने पर लॉन्च किया जा रहा है और इसमें वे सभी चीजें हैं, जो एक मनोरंजक रियलिटी शो बनाने के लिए काफी हैं। मुझे यकीन है कि यह दर्शकों को आकर्षित करेगा और रियलिटी शोज के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। एएलटी बालाजी व एमएक्स प्लेयर अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर इस शो को 24×7 लाइव स्ट्रीम करेंगे और दर्शकों को सीधे प्रतियोगियों से रूबरू कराएंगे।

महामारी के बाद की चुनौतियों का चिंतन

गुरबचन जगत

इतिहास के पन्नों में बीते दो सालों का जिक्र होगा कि 21वीं सदी के पहले उत्तरार्द्ध में भारी जानी नुकसान और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त करने वाली एक महामारी ने दुनिया को चपेट में लिया था। यह भी कि कैसे कुछ राष्ट्र-राज्यों ने वैज्ञानिक तौर-तरीके से स्वास्थ्य, सामाजिक सेवाओं, पुलिस, केंद्रीय बैंक और अन्य सरकारी विभागों के बेहतर समन्वय से (हालांकि सेवा-प्रदाताओं का नुकसान भी हुआ) त्रासदी से बेहतर ढंग से निपटा और लोगों की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुश्किलें कम कर पाए थे। लेकिन कमजोर बुनियादी ढांचे और राजनीतिक दृढ़शक्ति से विहीन अन्य देशों में महामारी ने मानवीय व आर्थिक क्षति पहुंचायी। यहां 14वीं सदी में यूरोप को चपेट में लेने वाली प्लेग महामारी का जिक्र मौजू होगा (जिसे काली मौत भी पुकारा जाता है), जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए। नतीजतन जीवन के हर क्षेत्र में गहरा असर हुआ। उदाहरणार्थ, इस काल में इंग्लैंड और फ्रांस के बीच सौ साला युद्ध जारी रहा। उस वक्त इंग्लैंड और फ्रांस के किसान विद्रोहों ने सामंतशाही को उखाड़ फेंकने का आगाज़ किया। भारी तादाद में हुई मौतों के चलते महिलाओं की भूमिका महत्ती बनी और अति पिछड़ों का सशक्तीकरण भी हुआ, क्योंकि घटी जनसंख्या के कारण जमींदारों को पहले जितनी असीमित श्रमशक्ति उपलब्ध नहीं रही। आर्थिक क्षेत्र में मंदी आई और मुद्रास्फीति बनी क्योंकि श्रमशक्ति कम होने से फसलें तैयार नहीं हुई। मौजूदा महामारी के परिणामों का आकलन बाकी है।

शुक्र है कि इस बार मृत्यु-दर प्लेग के वक्त जितनी नहीं थी। दरअसल, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था जटिल मशीन की भांति है, जिसके कल-पुर्जों के रूप में विभिन्न राष्ट्र, आपूर्ति शृंखला और एक-दूसरे पर निर्भर हैं। इसमें महामारी से बाधा पड़ी, फलतः राष्ट्रों ने आत्मनिर्भरता और संरक्षणवादी नीतियों की राह चुनी। उच्च मुद्रास्फीति की स्थिति सामने आई है और इसकी घातकता का अहसास हुआ। राष्ट्रों के लॉकडाउन की तीव्रता भिन्न रही और इसका प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने पर पड़ा। असर अब उजागर होने लगा है।

कोविड की क्रमिक लहरों से जीवन के तमाम पहलू प्रभावित हुए हैं। कहना कठिन है अंतिम रूप से कोविड-19 से छुटकारा कब होगा या नये वेरिएंट की वापसी होगी। मेडिकल विशेषज्ञ, अनुसंधान संगठन, दवा निर्माता कंपनियां और सरकारें नाना प्रकार की चेतावनियों से भय दोहन कर रहे हैं। सबके बावजूद हमें यह नहीं पता कि कोविड वायरस कहां से आया- चीन या अमेरिका - या कुपित हुए ईश्वर ने मनुष्यों पर बिजली गिराई? सरकारी परीक्षणशालाएं, अनुसंधान संगठन और यूनिवर्सिटियों ने इस जानलेवा बीमारी से मानव जाति को बचाने को वैक्सीन विकसित करने में अपना सर्वश्रेष्ठ तुरंत झोंक दिया। इस भागीरथ प्रयास में फार्मा कंपनियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया (हालांकि बाद में कमाया भी खूब है)। ज्यादा वैक्सीन पाने को मुल्कों में होड़ लगी, जो विकसित देशों के हिस्से में अधिक आया।

पिछले दो सालों में लॉकडाउन, कर्फ्यू आदि कारणों से बंद पड़े स्कूल-कॉलेज, न्यायालय, अस्पताल और मनोरंजन स्थल आदि के बंद रहने का क्या असर रहा? पहले कुछ महीनों में देखने को सूना परिदृश्य मिला और हर इंसान टापू में फंसा एकांतवासी होकर रह गया। एक-दूसरे से दूर, न किसी से मिलना-जुलना, सब पार्टियां बंद (सिवाय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के), बाजार जाकर खरीदारी नहीं, बाहर घूमना बंद। आपसी संपर्क का एकमात्र जरिया फोन था और समय बिताने के लिए किताबें पढ़ो या टेलीविजन देखो। घरों में अजीब-सा घुटनभरा वातावरण और भावनाओं में हताशा। निस्संदेह, अलगाव मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा करता है, जिससे व्याधि और नकारात्मकता पैदा होती है। जहां कहीं गले में हल्की खराश-खांसी या फिर मामूली बुखार महसूस हुआ नहीं कि संक्रमण की आशंका पैदा हो जाती है। तमाम बड़े-बुजुर्ग व छात्र इस अहसास से गुजरे। निस्संदेह, बुढ़ापा वैसे ही एकाकीपन का दूसरा नाम है, लेकिन महामारी, तिस पर एकांतवास, इसको और गहरा देते हैं।

इस दौरान स्कूली बच्चे हमउम्र साथियों के साथ से महरूम रहे और ऑनलाइन पढ़ाई हेतु कंप्यूटर के सामने बंधने को मजबूर रहे-बचपन के सुनहरे दिनों में दो सालों की हानि की भरपाई कौन कर पाएगा? दीर्घकाल में मनोवैज्ञानिक संतुलन पर इसका क्या असर रहेगा? क्या वे पूरी तरह उबर पाएंगे, क्या ऑनलाइन पढ़ाई उस घाटे को पूरा करने के लिए काफी है, जो कक्षा में परस्पर आदान-प्रदान न होने से होता है?

तथापि, उन लाखों बच्चों का क्या जो कंप्यूटर व स्मार्टफोन के अभाव में ऑनलाइन पढ़ाई से वंचित रहे। कई बार तीन-चार बच्चों को एक ही फोन से गुजारा करना पड़ा। पूरा सिग्नल पाने को ऊंची जगहों पर चढ़ना पड़ा। बच्चों को घर में खाली बैठाए रखने की बजाय कुछ गरीब अभिभावकों को मजबूरी में उनसे मजदूरी करवानी पड़ी। क्या उन्हें अपना बचपन दुबारा मिल पाएगा? वे पढ़ाई की ओर लौटेंगे? गरीब छात्रों का दो वर्षों का शिक्षा-काल भेंट चढ़ चुका है। कोई आरक्षण, मुफ्त दाल-चावल या साइकिल इत्यादि कभी भी उनकी इस खोई शिक्षा को वापस नहीं दिलवा सकेंगे। यह अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य है, जो गरीबी से लड़ने को जादुई ताकत देते हैं। वक्त की मांग है कि महामारी उपरांत राष्ट्रव्यापी प्रभावशाली शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचा बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। लेकिन नवीनतम बजट इस आस पर पानी फेरता है क्योंकि जो बुनियादी ढांचा और उत्साह चाहिए, उसके लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं रखा गया। वही पुरानी डिस्पेंसरियां और सरकारी अस्पताल खस्ताहाल में जारी रहेंगे। हमारी विशाल आबादी की वजह से बेरोजगारी सदा चुनौती रही है, तिस पर महामारी के कुप्रबंधन से बेरोजगारी बढ़ी है। वहीं मजदूरों का वार्षिक प्रवास बेरोजगारी के चलते बहुत कम हुआ। उनके अवचेतन में लॉकडाउन की त्रासदियां जीवंत हैं। प्रवासी तब न घर के रहे न घाट के, महानगरों ने नौकरी से जवाब दिया और राज्य सरकारों के लिए वे अवांछित बन गए, जब तक पैतृक गांवों में बीमारी-मुक्त होने की तसल्ली न कर ली गयी उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया, तब तक सड़कें ही घर बनीं। अब कृषि-उद्योगों के पास नई नौकरियां नहीं हैं।

विकासशील देश को वक्त के साथ चलना पड़ता है, कुछ ने समय रहते अर्थव्यवस्था को लगने वाले झटकों का पूर्वानुमान लगा लिया या फिर इससे पार पाने के उपाय करने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने नए नोट तब छापे जब इसकी जरूरत थी और अब इससे पैदा हुई मुद्रास्फीति को काबू करने में लगे हैं। उनकी बेरोजगारी दर पहले के मुकाबले अब निचले स्तर पर है, उनका राजनीतिक तंत्र और केंद्रीय बैंक अनेकानेक उपायों से अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने में लगे हैं। लेकिन हम कहां हैं? योजना क्या है... कृपया कोई बताएगा? हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने टिप्पणी की है :'कभी कहना कि हम विश्व की पांचवीं या छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, फिर यह कह देना कि हम दूसरे देशों जितने विकसित नहीं हैं, यह बहाना और ज्यादा चलेगा नहीं...'।

क्या सरकारों से- केंद्र हो या राज्य सरकार- यह अपेक्षा करना बहुत ज्यादा है कि जिनके पास विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते अकूत आर्थिक और मानव संसाधन हैं, वे गरीबी और मानव कष्ट का हल निकालने को अपनी समयबद्ध कार्ययोजना बताएं? गरीबी इंसान की बनाई हुई है क्योंकि हमारे देश में अत्यंत अमीर और गरीब की आय के बीच जो वर्तमान में बहुत बड़ा पाट है, उसे बनने दिया गया है-यह विगत और मौजूदा सरकारों की असफलता है और यह शर्मनाक भी है।

सू- दोकू क्र.135

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.134 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चिंताजनक संकेत

पंजाब समेत कुछ राज्यों के मतदान में आई गिरावट को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिहाज से अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। चिंता की बात यह भी है कि शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले कम मतदान हुआ। पंजाब व उत्तर प्रदेश के शुरुआती चरणों वाले शहरी मतदान क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति नजर आई। खासकर जिन शहरों के बारे में कहा जाता है कि वहां शिक्षित मतदाता अधिक हैं, मतदान के प्रति उदासीनता निराश करने वाली है। आम धारणा रही है कि पढ़े-लिखे मतदाता लोकतंत्र को संवारने-निखारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वे विवेकशील ढंग से राजनीतिक विद्रूपताओं के खिलाफ बदलाव के वाहक बन सकते हैं। निश्चित रूप से राजनीति की गुणवत्ता में आई गिरावट और राज्य सरकारों के खराब प्रदर्शन के चलते मतदाता भी उदासीन हुआ है। राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में बढ़-चढ़कर दावे करते हैं, लेकिन ये वादे हकीकत नहीं बनते। यही वजह है कि बीते रविवार पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में कुल 71.95 फीसदी ही मतदान हुआ, जो कि वर्ष 2017, 2012 और 2007 में हुए पिछले तीन विधानसभा चुनावों के मुकाबले निराशाजनक ढंग से कम है। यह आस थी कि इस चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला मतदाताओं को बड़ी संख्या में मतदान के लिये निकलने हेतु प्रेरित करेगा। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आया। ऐसे वक्त में जब मतदाताओं के पास जनप्रतिनिधि चुनने के अधिक विकल्प थे, ऊंचे मतदान की उम्मीद थी। इस बार तेरह सौ से अधिक उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे, जिनकी संख्या पिछले विधानसभा चुनाव में कुल ग्यारह सौ के करीब थी। कह सकते हैं कि ये प्रतिनिधि गुणात्मक रूप से मतदाताओं की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं थे। वजह यह भी हो सकती है कि इन प्रत्याशियों में से एक-चौथाई आपराधिक प्रवृत्ति के थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के साल 2020 के आदेश को सख्ती से लागू करने के आदेश के चलते चुनाव आयोग ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों के आपराधिक इतिहास का प्रकाशन-प्रसारण अनिवार्य बनाया, जिसके चलते इन उम्मीदवारों पर बीते वर्ष में दर्ज प्राथमिकियों का विवरण सार्वजनिक हुआ।

कहा जा रहा है कि दागी उम्मीदवारों की चुनाव में बड़ी संख्या में सक्रियता ने कुछ मतदाताओं का मोहभंग किया, जिसके चलते कई लोगों ने मताधिकार का प्रयोग करने में उदासीनता दर्शायी। वहीं चुनाव से पहले राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों की अवसरवादिता ने भी मतदाताओं को निराश ही किया। राजनीतिक कोलाहल व आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति को अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में औसत से कम मतदान होने की वजह माना जा रहा है। यहां चुनाव मैदान में चर्चित राजनेता थे। राज्य कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के मुकाबले अकाली दिग्गज बिक्रम सिंह मजीठिया मैदान में थे। आक्रामक चुनाव प्रचार का लाभ भी इन नेताओं को मतदान के रूप में नहीं मिल पाया। कहीं न कहीं मतदाताओं की राज्यव्यापी उदासीनता, अरुचि व मोहभंग जैसी स्थिति के मूल में विभिन्न सरकारों का निराशाजनक प्रदर्शन भी रहा। खासकर राज्य के युवाओं में यह भावना तेजी से बढ़ी है कि बदलाव के थोथे दावों के बावजूद रोजगार संकट व उनके अन्य मुद्दे जस के तस हैं, जिसके चलते पंजाब के तमाम युवाओं को देश व विदेश के विभिन्न भागों में बेहतर रोजगार के लिये पलायन करना पड़ रहा है। कमोबेश सभी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्रों में किये गये बड़े-बड़े वादों को हकीकत में बदलने में नाकाम रहे हैं। निस्संदेह, यह स्थिति राजनीतिक दलों व जनप्रतिनिधियों को आत्मनिरीक्षण का अवसर देती है कि क्यों मतदान से मोहभंग होने की प्रक्रिया तेज हुई है। यह भी कि उनके प्रति उपजा अविश्वास कैसे दूर किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, राज्य चुनाव आयोग के चुनाव अधिकारियों को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के लिये उनकी मुहिम सिरे क्यों नहीं चढ़ी है। उन्हें अपने मल्टीमीडिया जागरूकता अभियान की प्रभावशीलता का भी मूल्यांकन करना चाहिए कि क्यों वह भी मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर पाया है। (आरएनएस)

उत्तराखंडियों की सुरक्षित वापसी को लेकर की मां राज राजेश्वरी की चरण वंदना

संवाददाता

टिहरी। यूक्रेन में फँसे उत्तराखंडियों की सुरक्षित वापसी हेतु भाजपा नेता किशोर उपाध्याय द्वारा आज मां राज राजेश्वरी के चरणों में वंदना की गयी है।

उन्होने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न प्रभावशाली शख्सियतों से अनुरोध किया गया है कि यूक्रेन में फंसे उत्तराखण्ड के लोगों की सुरक्षित वापसी करायी जाये। उनके द्वारा जिन लोगों से बातचीत की गयी है उनमें जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं दूतावास के अधिकारी भी सम्मिलित हैं।

वहीं उन्होने यूक्रेन में फंसे लोगों के परिजनों को भी ढाढ़स बँधाया गया है। उन्होने बताया कि पोलैंड में ग्राम गौंसारी के लगभग 40 लोग कार्यरत हैं। इस सम्बन्ध में रणजीत भाई के माध्यम से मैं उनसे सम्पर्क में हूँ। यह लोग पोलैंड में उनके रहने-खाने आदि व्यवस्थाओं को करने के लिये तैय्यार हैं। भाजपा नेता किशोर उपाध्याय द्वारा आज उत्तराखण्ड के लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए माँ राज राजेश्वरी के चरणों में चरण वंदना की गयी है।

ईवीएम के साथ फोटो वायरल पर मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी (आरएनएस)। सहायक रिटर्निंग ऑफिसर–५६ हल्द्वानी कमल जोशी ने सोशल मीडिया में ईवीएम के साथ फोटो वायरल करने वाले अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायत में कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से संज्ञान में आया है कि हल्द्वानी के किसी मतदेय स्थल से ऐसा किया गया है। इसलिए उन्होंने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

27 फरवरी को राष्ट्रीय ध्वज वंदन कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष राजेश रस्तौगी की ओर से कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने देहरादून में मीडिया को जानकारी देते हुये बताया कि कांग्रेस सेवा दल के सभी जिला और महानगर अध्यक्षों एंव प्रदेश पदाधिकारियों (महिला सेवा दल एवम यंग बिर्गेड सहित) को सूचित किया जाता है कि कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी भाई देसाई के निर्देश पर 27 फरवरी 2022 को प्रात: 10.30 बजे आपको अपने अपने क्षेत्रों में कांग्रेस सेवा दल का राष्ट्रीय ध्वज वंदन कार्यक्रम पूर्ण गणवेश में आयोजित करना है और अपनी रिपोर्ट जोन प्रभारी डॉ अमरजीत सिंह तथा राज्य प्रभारी सुश्री एस प्यारी जान को भेजनी है। बिना कारण बताये कार्यक्रम से अनुपस्थित रहने वालों को चिन्हित किया जायेगा।

1.25 लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कार्य शुरू

संवाददाता

देहरादून। देश की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामनाओं के साथ 1. 25 लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

आज यहां विश्व शांति देश के चहुमुखी विकास देव भूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास से लाई गई पवित्र मिट्टी में हरिद्वार महाकुम्भ का पवित्र गंगाजल मिलाकर 25 वा 1.25 लाख पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण का कार्य आरंभ हो गया है।

मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने बताया शिव का अर्थ है कल्याणकारी, देवाधिदेव महादेव सबको खजाने बांटते हैं खुद सादगी के साथ रहते है। उ

न्होने कहा बाजार वाद और उपभोक्तावाद के इस दौर में जब मनुष्य कमाना तो सीख गया है किन्तु जीवन जीना भूल गया है, भगवान भोलेनाथ की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। वेद विद्यालय शांति मंदिर कनखल से पधारे पंडित शुभम शुक्ला ने वेद मंत्रों का पाठ किया। इस अवसर पिथौरागढ़ विधायक चंद्रा पंत, सुरेंद्र रावत, ममता रावत, हर्षपति रयाल, दीपेन्द्र नौटियाल, गणेश बिजल्वान, राजू आदि का विशेष सहयोग रहा।

यूक्रेन में फंसे उत्तराखंडियों की घर वापसी की मांग

नई टिहरी (आरएनएस)। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश राणा और प्रदेश प्रवक्ता शांति भट्ट ने केंद्र सरकार से यूक्रेन में फंसे उत्तराखंडियों को जल्द से जल्द घर वापस लाने की मांग करते हुये कहा कि विगत सप्ताह ही प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने समय रहते मुख्यमंत्री के माध्यम से दिये पत्र से यूक्रेन में फंसे उत्तराखंडियों को समय से घर लाने की मांग की थी, किंतु इस सुझाव को केंद्र व राज्य सरकार ने हमेशा की तरह हल्के में लिया। लेकिन अभी भी वक्त रहते यूक्रेन में फंसे छात्रों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए पूरी ताकत लगाने की मांग केंद्र सरकार से की है।

गुमशुदा नाबालिगों को किया मात्र पांच घंटो में परिजनों के हवाले

चम्पावत (हमारे संवाददाता)। अमोड़ी, चल्थी क्षेत्र से गुमशुदा दो नाबालिग बालको को पुलिस ने मात्र पांच घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद उन्हे सकुशल बरामद कर उन्हे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज चौकी चल्थी कोतवाली चम्पावत पुलिस को सूचना मिली कि अमोड़ी क्षेत्र से दो नाबालिक बालक जो कि बिना बताये घर से कही चले गये है। जब उनका कहीं पता नही चला तो परिजनों द्वारा मामले की जानकारी पुलिस को दी गयी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल चैकिंग अभियान चलाकर गुमशुदा बालकों की खोजबीन शुरू कर दी गयी। खोजबीन में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद दोनों गुमशुदा बालकों को पांच घंटे के भीतर ककरालीगेट, टनकपुर से सकुशल बरामद कर उन्हे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। पूछताछ में दोनो नाबालिक बालकों द्वारा बताया गया कि वे हरियाणा राज्य में नौकरी की तलाश हेतु घर से बिना बताये जा रहे थे।

चम्पावत पुलिस द्वारा सूचना मिलते ही दोनो गुमशुदाओं को खोजबीन कर बरामद करने पर गुमशुदा के परिजनो तथा क्षेत्र के लोगो द्वारा जपनद चम्पावत पुलिस का धन्यवाद अदा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आज से चरणबद्ध आंदोलन शुरू

संवाददाता

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर एनएमओपीएस आज से चरणबद्ध आंदोलन शुरू होगा।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन उत्तराखण्ड के प्रांतीय महामंत्री ई0 मुकेश रतूडी ने बताया कि विगत कई वर्षो से पुरानी पेंशन बहाली हेतु आन्दोलनरत हैं। पूर्व में पुरानी पेंशन बहाली के लिए कार्यक्रम चलाये गये जिसमें जनपदों में रैलियां, धरना, जनप्रतिनिधियों तक अपनी बात पहुंचाना, रक्तदान शिविर का आयोजन, ब्लाक स्तर तक संगठन का गठन, एनपीसी पीडितों को एनएमओपीएस संगठन से जोडना इत्यादि प्रमुखता से रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा कोरोनाकाल में मास्क वितरण, सैनेटाईजर तथा ऑब्सोमीटर वितरण, हौम्योपैथिक दवाई आदि के सामाजिक कार्य भी किये गये। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनएमओपीएस को उत्तराखण्ड में पंजीकृत सभी परिसंघों का सर्मथन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में इस आन्दोलन को गति देने के लिए प्रान्तीय अधिकारियों द्वारा चरणबद्ध आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया गया है।

इस क्रम में एनएमओपीएस द्वारा 26 फरवरी (आज) को सोशल मीडिया के माध्यम से दोपहर 12 बजे से चार बजे तक ट्वीटर पर अशोक गहलोत एवं राजस्थान सरकार को सादर धन्यवाद प्रेषित किया जाएगा। दूसरे चरण में शीघ्र ही विभिन्न राजनैतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर उत्तराखण्ड में पुरानी पेंशन लागू करने का अनुरोधा किया जायेगा। इसके पश्चात तीसरे चरण में उत्तराखण्ड में सरकार गठन होने के पश्चात पुन: सरकार पर पुरानी पेंशन बहाली का दबाव बनाया जायेगा। इन चरणों की समीक्षा कर पुन: केन्द्रीय नेतृत्व प्रान्तीय कार्यकारिणी द्वारा बैठक कर आगामी रणनीति बनायी जाएगी।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

आज हमारा फोकस हेल्थ तो है ही,कल्याण पर भी उतना ही अधिक है: पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आम बजट–२०२२ में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित किया। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, इस वेबिनार में तीन सत्र रखे गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, ई संजीवनी और टेलीमेंटल स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि क्रिटिकल हेल्थकेयर सुविधाएं ब्लॉक स्तर पर हों, जिला स्तर पर हों, गांवों के नज़दीक

हों। इस इंफ्रास्ट्रक्चर को मैंटेन करना और समय–समय पर अपग्रेड करना जरूरी है। इसके लिए प्राइवेट सेक्टर और दूसरे सेक्टर्स को भी ज्यादा ऊर्जा के साथ आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि ये बजट बीते ७ साल से हेल्थकेयर सिस्टम को रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करने के हमारे प्रयासों को विस्तार देता है। हमने अपने हेल्थकेयर सिस्टम में एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाया है। आज हमारा फोकस हेल्थ तो है ही,कल्याण पर भी उतना ही अधिक है। स्वच्छ भारत मिशन हो, फिट इंडिया मिशन हो, पोषण मिशन हो, मिशन इंद्रधनुष हो, आयुष्मान भारत हो, जल जीवन मिशन हो, ऐसे सभी मिशन को हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों तक लेकर जाना है।

यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक मदद देंगे अमेरिका समेत 28 यूरोपीय देश

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच भीषण जंग जारी है। यूक्रेन में तबाही का आलम है। रूसी हमले में कई लोगों की जान जा चुकी है। दोनों देशों की तरफ एक दूसरे की सेना को मार गिराए जाने के दावे किए जा रहे हैं। यूक्रेन पर रूसी सैनिक भारी पड़ रहे हैं। इस बीच कई देशों ने यूक्रेन को मदद की पेशकश की है। अमेरिका, ब्रिटेन समेत २८ देशों ने यूक्रेन को मेडिकल सप्लाई के साथ सैन्य सहायता देने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही इन देशों ने यूक्रेन को हथियार भी मुहैया कराने की बात कही है। रूसी सैनिकों की ओर से किए जा रहे हमले में भारी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। यूक्रेन में नागरिकों के साथ–साथ सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी विदेश विभागको यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में ३५० मिलियन डॉलर जारी करने का निर्देश दिए हैं।

यूक्रेन से निकाले गए 219 भारतीयों के साथ पहली उड़ान मुंबई के लिए रवाना हुई

नई दिल्ली । भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए बुखारेस्ट भेजा गया एयर इंडिया का विमान वहां से भारत के लिये उड़ान भर चुका है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि यूक्रेन से निकाले गए २१६ भारतीयों के साथ पहली उड़ान रोमानिया से मुंबई के लिए रवाना हो चुकी है। विदेश मंत्री ने बताया कि हम प्रगति कर रहे हैं। हमारी टीमें २४ घंटे ज़मीन पर काम कर रही हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहा हूं। यह विमान आज तड़के मुंबई से रवाना हुआ था। इस विमान के आज शाम ३ से ४ बजे के बीच भारत पहुंचने की बात कही जा रही है। ऐसे में विदेश से आने वाले यात्रियों के लिये

मुंबई में शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में आने वाले भारतीयों के लिए एक विशेष कॉरिडोर को ब्लॉक कर दिया गया है। उन्हें हवाई अड्डे पर अपने आगमन पर एक कोविड –१६ टीकाकरण प्रमाण पत्र / नेगेटिव आरटी–पीसीआर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई यात्री आगमन के समय कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाता है तो उनको हवाई अड्डे पर ही कोविड के आरटी–पीसीआर परीक्षण से गुजरना होगा जिसका खर्च एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा उठाया जायेगा। टेस्टिंग के बाद नेगेटिव पाये गये यात्री हवाई अड्डे से बाहर जा सकेंगे लेकिन यदि किसी यात्री की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई जाती है तो उसे सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उसकी चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।

यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड के 188 लोगों की सूची जारी

संवाददाता

देहरादून। रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के कारण भारत के 18 हजार से अधिक लोग यूक्रेन में फंसे हुए हैं। जिन्हें वापस लाने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड सरकार द्वारा अपने राज्य के लोगों के बारे में जो जानकारी जुटाई गई है उसके अनुसार अब तक 188 लोगों की सूची तैयार की गई है जो यूक्रेन में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकांश ऐसे छात्र–छात्राएं हैं जो डॉक्टरी की पढ़ाई करने गए हुए थे।

उत्तराखंड शासन द्वारा आज राज्य के 188 लोगों की सूची जारी की गई है। जिसमें राजधानी दून के सर्वाधिक 39 छात्र–छात्राएं हैं। वहीं इस सूची में हरिद्वार के 35 व टिहरी के 11 तथा उत्तरकाशी के 7, रूद्रप्रयाग के 5, पौड़ी के 19 तथा चमोली के 2 छात्रों के अलावा अन्य जिलों के छात्र भी शामिल है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीते कल तक राज्य सरकार के पास सिर्फ 89 लोगों की जानकारी थी। लेकिन सरकार द्वारा राज्य के तमाम जनपदों से आ रही खबरों के बाद हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया

❑सीएम धामी ने परिजनों से की धैर्य रखने की अपील
❑सभी की सुरक्षित वापसी के लिए सरकार प्रयासरत

तथा सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को पत्र भेजकर डाटा जुटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद तमाम लोगों द्वारा सरकार को दी गई सूचनाओं के आधार पर अब तक 188 लोगों के यूक्रेन में फंसे होने की जानकारी सामने आई है जिसमें अभी कुछ बढ़ोतरी भी हो सकती है।

यूक्रेन में फंसे अपने बच्चों की सुरक्षित वापसी को लेकर अभिभावकों द्वारा तमाम तरह की चिंताएं जताई जा रही है यह अभिभावक राज्य और केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। सरकार भी इस समस्या को लेकर गंभीरता से आगे बढ़ रही है। हालांकि यूक्रेन का एयर स्पेस बंद होने के कारण इसमें कुछ दिक्कतें भी आ रही हैं लेकिन यूक्रेन की सीमा से सटे देशों के जरिए इन छात्रों को वापस सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। कुछ छात्रों को लाया भी जा चुका है। लेकिन अभी बड़ी संख्या में छात्र वहां फंसे हुए हैं जिनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ कहा है कि वह और उनकी सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं तथा विदेश मंत्रालय और केंद्रीय नेताओं से वह लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों की सुरक्षित वापसी होगी घबराने की कोई बात नहीं है। उन्होंने पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बातचीत की है। उनका कहना है कि परिजनों को भी धैर्य रखने की जरूरत है। केंद्र सरकार द्वारा सभी को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी नेगी को भेजा किशोर ने मानहानि का नोटिस

संवाददाता

टिहरी। भाजपा प्रत्याशी व पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी धन सिंह नेगी को मानहानि का नोटिस भेजा गया है। मानहानि का यह नोटिस दस करोड़ में भाजपा का टिकट खरीदने को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा दिये गये बयान को लेकर दिया गया है।

बता दें कि उत्तराखण्ड चुनाव से पूर्व कई प्रत्याशी एक दल से दूसरे दल में गये थे। इस क्रम में पहले कांग्रेस नेता किशोर उपाध्याय द्वारा ने भाजपा ज्वाइन की तो वहीं भाजपा नेता धन सिंह नेगी ने टिकट न मिलने से नाराज होकर कांग्रेस का दामन थाम लिया था।

कांग्रेस का हाथ थामने के बाद धन सिंह नेगी ने बीजेपी प्रत्याशी किशोर उपाध्याय पर दस करोड़ रुपए में बीजेपी का टिकट खरीदने का आरोप लगाया था। जिसके बाद धन सिंह के बयान से उनकी खुद की ही मुश्किलें बढ़ गई है। भाजपा प्रत्याशी किशोर उपाध्याय ने धन सिंह नेगी को अपने वकील के जरिए मानहानि का नोटिस भेजा है और तीन दिन के भीतर माफी मांगने की बात कही गयी है।

प्रेमिका के ब्रेकअप करने पर खाया जहर, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। प्रेमिका के ब्रेकअप करने पर युवक ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस ने प्रेमिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोठारी मौहल्ला जौलीग्रान्ट निवासी सुनीता ने अपने अधिवक्ता राकेश कुमार भट्ट के माध्यम से न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया कि उसका पुत्र राजन क्षेत्र में परचून की दुकान चलाता था। उसका क्षेत्र की ही युवती से दो–तीन सालों से प्रेम प्रसंग चला आ रहा था। इस दौरान उसके पुत्र ने प्रेमिका की पैसों से भी मदद की थी। पिछले एक माह से युवती उसके पुत्र से रिश्ता खत्म करना चाह रही थी और उसका कारण भी उसके बेटे को नहीं बता रही थी। उसने बताया कि बार–बार उसके पुत्र द्वारा कारण पूछा जाता तो वह जहर खाकर मरने की बात कहने लगी थी। जिससे उसका बेटा मानसिक रूप से परेशान रहने लगा। 24 अक्टूबर 2021 को उसका बेटा सुबह आठ बजे घर से निकला और दस बजे तक डोईवाला में उक्त युवती के साथ देखा गया था तथा उसी की उपस्थिति में मेरे बेटे ने जहर खा लिया। जिसके बाद उसके बेटे ने अप ने मित्र लवकेश को फोन करके बुलाया उसकी हालत चिन्ताजनक होने पर लवकेश ने उसको जौलीग्रान्ट हास्पिटल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। वह युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए डोईवाला कोतवाली भी गयी थी लेकिन पुलिस ने उसका मुकदमा दर्ज नहीं किया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों की धोखाधडी में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी करने के मामले में एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्या विहार कारगी चौक निवासी अवधेश कुमार महेश्वरी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि टीएचडीसी कालोनी पटेलनगर निवासी सुबोध चन्द गुप्ता से उसकी पहचान हुई। सुबोध ने उसको बताया कि प्रोपर्टी डीलर का काम करता है। जिसके बाद उसने भी उसको कही अच्छा प्लाट दिलाने की बात कही। जिसके बाद सुबोध ने उसको राजेन्द्र नगर के पास एक प्लाट दिखाया। उसने उसको बीस लाख रूपये एडवांस के दे दिये। कुछ समय बाद उसको पता चला कि सुबोध ने वह प्लाट किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है। उसने उससे अपने रूपये मांगे तो वह गाली गलौच कर जान से मारने की ध मकी देने लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।